Ribhuproktam Ahamevatvanirupanam

ऋभुप्रोक्तं अहमेवत्वनिरूपणम्

Document Information

Text title : Ribhuproktam Ahamevatvanirupanam

File name : RRibhuproktaMahamevatvanirUpaNam.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shaNkarAkhyaH ShaShThAMshaH | adhyAyaH 28| 3-25||

Latest update : August 5, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 5, 2023

sanskritdocuments.org

ऋभुप्रोक्तं अहमेवत्वनिरूपणम्

(अहमेव परं ब्रह्म)
अहमेवादिनिर्मुक्तः अहं कारणवर्जितः ॥ २८.३॥

अहमेव परं ब्रह्म अहमेवाहमेव हि ।
इत्येवं भावयन्नित्यं सुखमात्मनि निर्मलः ॥ २८.४॥

अहमेव परं ब्रह्म अहमेव हि निष्कलः ।
अहमेव न सन्देहः अहमेव सुखात्सुखम् ॥ २८.१२॥

अहमेव हि दिव्यात्मा अहमेव हि केवलः ।
वाचामगोचरोऽहं वै अहमेव न चापरः ॥ २८.१३॥

अहमेव हि सर्वात्मा अहमेव सदा प्रियः ।
अहमेव हि भावात्मा अहं वृत्तिविवर्जितः ॥ २८.१४॥

अहमेवापरिच्छिन्न अहमेव निरन्तरः ।
अहमेव हि निश्चिन्त अहमेव हि सद्गुरुः ॥ २८.१५॥

अहमेव सदा साक्षी अहमेवाहमेव हि ।
नाहं गुप्तो न वाऽगुप्तो न प्रकाशात्मकः सदा ॥ २८.१६॥

अहमत्यन्तमानन्द अहमत्यन्तनिर्मलः ।
अहमत्यन्तवेदात्मा अहमत्यन्तशाङ्करः ॥ २८.१८॥

अहमित्यपि मे किञ्चिदहमित्यपि न स्मृतिः ।
सर्वहीनोऽहमेवाग्रे सर्वहीनः सुखाच्छुभात् ॥ २८.१९॥

आत्मतीर्थे ह्यात्मजले आत्मानन्दमनोहरे ।
आत्मैवाहमिति ज्ञात्वा आत्मारामोवसाम्यहम् ॥ २८.२३॥

आत्मैव भोजनं ह्यात्मा तृप्तिरात्मसुखात्मकः ।
आत्मैव ह्यात्मनो ह्यात्मा आत्मैव परमो ह्यहम् ॥ २८.२४॥

अहमात्माऽहमात्माहमहमात्मा न लौकिकः ।
सर्वात्माहं सदात्माहं नित्यात्माहं गुणान्तरः ॥ २८.२५॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते ऋभुप्रोक्तं अहमेवत्वनिरूपणं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शङ्कराख्यः षष्ठांशः । अध्यायः २८। ३-२५॥

- .. shrIshivarahasyam . shankarAkhyaH ShaShThAMshaH . adhyAyaH 28. 3-25..

Notes :
Shiva Rahasyam Amsa-06 consists of the 50 Adhyaya-s that comprise the Ribhu Gita.
Selected verses from Ribhu Gita have been compiled here based on similarity of content.

Proofread by Ruma Dewan

Ribhuproktam Ahamevatvanirupanam

pdf was typeset on August 5, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*